

पंजाब और हिमाचल प्रदेश के पत्रकारों ने सायरंग रेलवे स्टेशन का दौरा किया; मिज़ोरम की परिवहन क्रांति के साक्षी बने

पत्र सूचना कार्यालय, जालंधर द्वारा आयोजित मीडिया टूर के तहत पंजाब और हिमाचल प्रदेश के पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने आज सायरंग रेलवे स्टेशन का दौरा किया। मीडिया टूर के पहले दिन प्रतिनिधिमंडल को बड़रबी-सायरंग नई रेलवे लाइन के परिवर्तनकारी प्रभाव को देखने का अवसर मिला। पत्रकारों का स्वागत रेलवे अधिकारियों की एक टीम ने किया, जिसमें ट्रैफिक इंस्पेक्टर श्री गौरव यादव और श्री संजय चंदा तथा स्टेशन मास्टर श्री गुड्डू कुमार और श्री मलय नंदी शामिल थे।



बड़रबी-सायरंग रेलवे लाइन परियोजना मिज़ोरम के लिए एक ऐतिहासिक सपने के पूरा होने का प्रतीक है। सितंबर, 2025 में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आधिकारिक तौर पर इस 51.38 किमी लंबी रेल लाइन का उद्घाटन किया था। इस रेल मार्ग में 142 पुल शामिल हैं—55 बड़े और 87 छोटे—साथ ही 5 रोड ओवर-ब्रिज और 8 रोड अंडर-ब्रिज भी हैं।



इस परियोजना की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक पुल संख्या 196 (पुराना)/144 (नया) है। यह पुल नदी के तल से 114 मीटर की आश्चर्यजनक ऊंचाई तक पहुँचता है। कुतुब मीनार से 42 मीटर ऊँचा यह पुल वर्तमान में भारतीय रेलवे नेटवर्क का सबसे ऊँचा पियर ब्रिज (pier bridge) है। 160 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह पुल पहाड़ी क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी लाने के लिए आवश्यक तकनीकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।



वर्तमान में, यह ट्रैक लंबी दूरी की और क्षेत्रीय सेवाओं का समर्थन करता है, जिनमें आइज़ोल - दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (आनंद विहार टर्मिनल के माध्यम से), आइज़ोल -कोलकाता एक्सप्रेस, आइज़ोल -गुवाहाटी एक्सप्रेस और सायरंग-सिलचर पैसेंजर रेल शामिल हैं। ये सेवाएँ मिज़ोरम के लोगों को सुरक्षित, कुशल और लागत प्रभावी यात्रा विकल्प प्रदान करती हैं, जिससे दशकों का भौगोलिक अलगाव समाप्त हो गया है और राज्य सीधे राष्ट्रीय रेल ग्रिड से जुड़ गया है।



यह रेलवे कनेक्शन केवल बुनियादी ढांचा मात्र नहीं है; यह एक जीवन रेखा है जो मिज़ोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांति लाने के लिए तैयार है। स्थानीय किसानों और व्यवसायों को बड़े राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करके, यह रेल लिंक आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। यह स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा तक पहुंच को भी बढ़ाता है और पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करता है। इसके अलावा, यह लाइन खाद्यान्न और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुओं की विश्वसनीय और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करती है, जिससे क्षेत्रीय सुगमता और लॉजिस्टिक दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
